



नव नमस्तुते ॥ शलाकि तयथमनूरुतवाधिमार्गं तयद्यवाभि
वलमागददं नमामि ॥ १ ॥ गत्ववहननं केवू ॥ विविमं ॥ सि
तिहुतं हुदि विसाललुदगयद्य ॥ जनासकिसकनदू ॥ इविनाग
याने ॥ तयद्यवाभि ॥ नलका ॥ मिसमकूनमामि ॥ ५ ॥ सर्वगयति यम
पालकलग्रहामि ॥ दधमनागमिवरागन कामलुयि ॥ उकमगूमि भिने
धूसितकानिमिरु ॥ तयद्यवाभि ॥ तसासननं नमामि ॥ ७ ॥ नृपुत्रवहन

बालेन्यमनादनाय ॥ तलाकनाथरुयकलस वसत्वा ॥ दधानवतस्म
नामि ॥ वमूकी ॥ इर्व ॥ तयद्यवाभि ॥ दनस्की वाष तं नमामि ॥ ८ ॥
वद्यतनाकगतं कलना वस्य ॥ सूचीमुख उदनय वतति ॥ म
घ्न ॥ इदुखायति ठमति रुषा काना ॥ तयद्यवानिहय नासकलन
मामि ॥ ९ ॥ अथायतं उरुधयति तयतसत्वा ॥ सीयिययकनून
हसवलतदिहि ॥ युर्वूसनिलरुतगूकुतृषा कुलाना ॥ तयद्यवा

नि। हनरु कुं नमामि ॥ १० ॥ गत्वा नम नूवन वज्रि न
वन्दस्य ॥ विनाम निरुलि ननल प्रल वरा म ॥ तेन कुला कुसम
नवन नानम ते ॥ तेन द्रवा निगम रुद्र कुटनमामि ॥ ११ ॥ गत्वा वक्र नन
लिरुद्र मना नथ म ॥ इति यन रुल म नरु न पि पु वान् वध मा क यन व
नित पि न द न द्य द ॥ तेन द्रवा नि वल ध मी द द नमामि ॥ १२ ॥ गत्वा
वक्र नदि विरु द ल द व वृ ग ॥ दान मी न न कु धा या उ न दू ॥ सित

व न या व या न क या न पु ल्लु स मी द ल ल ॥ तेन द्रवा नि ॥ धन वा द क न
मामि ॥ १३ ॥ तेन काम नू य मू य द ॥ सित ल क सिति ॥ कामा व सान न व
रु ॥ रुय न क सिति ॥ दान मी व मू य ल व ॥ इति न व मा विरु ॥ तेन द्रवा
यान व रु लू य म ल नमामि ॥ १४ ॥ विरु न नू मि कि मि का ट
सम रु दान ॥ गत्वा वज्र न न त्रि लू य म नू ॥ सल नी ॥ निगु लित नू न
यू न्ना य द उ ति व मी ॥ तेन द्रवा नि व रु म मू य न नमामि ॥ १५ ॥

सत्रियुष्मन्तुति ॥ ५ ॥ वामपाद्वन्ताविष्णु ॥ दत्तनमउसुनैव
 सुत्यावासुदेवक ॥ सुजयकृत्तनात्तन ॥ ६ ॥ कपूतकृत्तवात्तना
 कुम्भकमात्तम ॥ माधवात्तनयात्तन ॥ हस्तिरेवकृत्तनात्तना
 क ॥ ७ ॥ व्यग्रनात्तनयत्तन ॥ नतात्तनयत्तन ॥ कवात्तनयत्तन
 तत्तन ॥ देवतात्तनयत्तन ॥ ८ ॥ गीतत्तनयत्तन ॥ नतात्तनयत्तन
 युत्तनयत्तनयत्तन ॥ ९ ॥ गीतत्तनयत्तन ॥ नतात्तनयत्तन ॥ १० ॥

दरुननालसिंहर ॥ नक्षत्रान्कदा मा उल ॥ यूरुवागमवाल्क्य
वायूरुवायिगवागसुव ॥ ११ ॥ गजधलरुकावल ॥ समान्सा
नतादासायायत्रयुगजलरु ॥ अकासवसुधगर्वा ॥ १० ॥
सनिकेसवेगात्रयु ॥ यत्रिमाविक्रयरुतविक्रयरुत्रवा
साद ॥ विजलाममलोत ॥ ११ ॥ लोकादात्रयथयात्र ॥ मग्नम
सुत्रसगात्र ॥ नदायात्रनष्टावाद्यवात्रतयतथा ॥ १२ ॥

नी
रुग्राउडलियात्ररुतुगुहविनासन ॥ दागीरुतयत्ररुव ॥ त
यनामगदावन ॥ १३ ॥ त्रुलषामासदव ॥ त्रुतुत्रुमहद्वत्र
लरुतुसवेदवाना ॥ वस्त्राविक्रमहद्वत ॥ १४ ॥ दिवालरुतु
सुग्रामात्रात्रात्ररुतुवन्दुमा ॥ सुदअत्ररुतुवीरु ॥ सवस्त्र
नरुनादेन ॥ १५ ॥ त्रुलत्रुतुवात्राहा ॥ यत्रेनरुवावनरु
थवात्रात्रसिंहरु ॥ सवदुयादुकेणअ ॥ १६ ॥ कवचवा

सूयवधः ॥ जयध्वजवनतसा ॥ नरयनचदालिङ्गः सवका
 दिनिवाहनः ॥ १० ॥ विद्याधिलततविद्या ॥ धन्याधिलतत
 डनः कन्याधिलततकन्या ॥ मोक्षाधिलततगतिः जयग्राम
 ततयुगमताशानततगताय ॥ कामाधिलततकामावी
 कृताकसगवृत्तिः ॥ ११ ॥ जयग्रामनन्दनविदः ॥ नामावाहन
 नसेखजे ॥ नस्यनीसकवाजा ॥ सत्यसत्यपवामिद

॥ २० ॥ अक्षयपूयणि विष्णुर्दयानीमहं श्रुत्वा ॥ सुमा
नं वाचां न नः श्लामुह विजिह्वितं ॥ २१ ॥ इति विष्णु
वर्णनं समाप्तं ॥ ४०॥ ॥ नमः